



बेधड़क सलोनी संग काम क्रीड़ा-2

“फिर मैंने अपने हाथ उसके टॉप के अंदर घुसा दिए और जैसे उसके नग्न बदन को मेरे हाथों ने स्पर्श किया उसके और मेरे बदन में एक अजीब सी सिरहन दौड़ गई और मेरा लंड मैंने इतनी स्पीड से खड़ा होते हुए और कठोर होते हुए मैंने कभी नहीं महसूस किया था।

इतना ज्यादा कि [...] ...”

Story By: अरुण (akm99502)

Posted: Thursday, May 17th, 2012

Categories: [Sex Kahani](#)

Online version: [बेधड़क सलोनी संग काम क्रीड़ा-2](#)

बेधड़क सलोनी संग काम क्रीड़ा-2

फिर मैंने अपने हाथ उसके टॉप के अंदर घुसा दिए और जैसे उसके नग्न बदन को मेरे हाथों ने स्पर्श किया उसके और मेरे बदन में एक अजीब सी सिरहन दौड़ गई और मेरा लंड मैंने इतनी स्पीड से खड़ा होते हुए और कठोर होते हुए मैंने कभी नहीं महसूस किया था। इतना ज्यादा कि वो मेरी पैंट में फंस गया और सलोनी को भी चुभने लगा।

वो खिलखिला कर हंसने लगी और उस पर हाथ मारते हुए बोली- वाऊ !इसे क्या हुआ ?!

मैं भी तुरंत ही चौकन्ना हो गया और अपने आप को सम्भाला और उसे अलग किया।

जो लड़के यह कहानी पढ़ रहे हैं वो समझ गए होंगे कि लंड के मामले में ज़रा सी भी 'सावधानी हटी और दुर्घटना घटी' यानि की डिस्चार्ज हुआ और फिर अपनी साथिन के सामने शर्मिन्दा होना पड़ता है।

लेकिन मैं इस खेल का काफी अनुभवी खिलाड़ी हूँ, इसलिए तुरंत सावधान हो गया।

सेक्स के सही मजे लेने हों तो जल्दबाजी करना सही नहीं रहता इसलिए मैंने अपने आपको उससे अलग किया और बोला- जानू, प्लीज़ देखो सब कुछ आराम से करेंगे, मैं जरा टॉयलेट होकर आता हूँ !

इस बहाने मैं अपने लंड की तेज़ी शांत करना चाहता था। मैं टॉयलेट की तरफ गया तो वो भी मेरे पीछे पीछे वहाँ आ गई।

वो बोली- मुझे तुम्हें देखना है पेशाब करते हुए !

मैंने कहा- तुम पागल हो !

वो बोली- हाँ पागल हूँ तभी तो मैं तुम्हारे साथ यहा सेक्स करने आई हूँ ! चुदने आई हूँ !

मैंने कहा- ओ के बाबा !

और जब मैंने पूरा तना हुआ कठोर लंड बाहर निकाला तो वो दीवानी सी हो गई और उसे छूने को लपकी और उसे पकड़ कर चूम लिया। मैंने उसे रोक कर दूर हटाया।

खड़े लंड से मूतने में बहुत परेशानी आती है, यह सबको पता है इस लिए मैंने पहले अपने लंड को पानी की धार के नीचे रख कर नल खोल दिया और जैसे ही उस पर पानी की धार पड़ी, उसका तूफान थमने लगा। इस तरह मैं उसके साथ सेक्स के खेल को लंबा चला सकता था।

और वो मेरे इस ड्रामे को देख के खिलखिला कर हंसती हुई बोली- ओये होये ! तुम्हारा लंड क्या चुदाई के पहले हमेशा नहाता भी है ?

मैंने भी उसकी हाँ में हाँ में मिलाई और बोला- जी हाँ ! तो इसमें गलत क्या है ?

और फिर जब मैंने मूतना शुरू किया तब भी उसको देखने में बहुत मज़ा आया और बोली- वाऊ यार ! तुम साले मर्दों को तो पेशाब करने के लिए कितना शानदार पाइप दिया है !

और फिर याद करते हुए बोली- बचपन में मेरे साथ के लड़के ऐसे हिला हिला कर सू सू किया करते थे !

और फिर हंसती हुई बोली- मैं इसे हिला दूँ क्या ?

मैंने कहा- हाँ जानू ! आज तुम्हें मेरे साथ अपने जो जो अरमान निकालने हों, वो सब

निकाल लेना !

उसने मेरे लंड को पकड़ लिया और मूत की धार को हिलाने लगी। उसने मेरे लण्ड को एक हाथ से पकड़ रखा था और मेरे पेशाब की धार को चाकू की तरह दूसरे हाथ की उंगली से काट रही थी। ऐसा करते हुए उसे बहुत मज़ा आ रहा था।

मूतने के बाद हम दोनों वापिस कमरे में आ गये, मैंने वापिस लंड अंदर कर लिया था। वो मुझसे चिपक कर फिर बोली- अब प्लीज़ चोदो ना मुझे ! मैं मरी जा रही हूँ।

मैंने उसे पलंग पर बैठाते हुए कहा- सलोनी डार्लिंग ! चुदाई तो तुम अपने पति के साथ भी हर रोज करती होगी और मैं भी तुम्हें चोदूँगा लेकिन जानू पहले तुम्हें यौनपूर्वक्रीड़ा यानि 'फॉर प्ले' का मजा दूँगा। समझी तुम ?

वो खुश होते हुए बोली- ओके जानू ! आज मैं तुम्हारे हवाले हूँ, तुम्हें जो करना है, वो करो मेरे साथ !

फिर मैंने बहुत ही प्यार से उसके दोनों हाथ ऊपर उठाये और उसका टॉप सर के रास्ते निकाल दिया। अंदर उसने सफ़ेद रंग की बहुत ही स्टाइलिश ब्रा पहनी हुई थी।

मैंने उसके बालों से क्लचर भी निकाल दिया और उसके बालों को उसकी पीठ पर फ़ैला सा दिया। मैं पलंग पर उसके सामने बैठा हुआ था। मैंने उसका सर झुका कर अपनी गोदी में रखा, पीठ पर से उसके बाल हटाये तो अब उसके नंगी पीठ मेरे सामने थी, जहाँ उसकी चोली की पट्टी थी, उसकी बाहें मैंने अपनी कमर के इर्दगिर्द कर ली, उसने मुझे कस कर पकड़ लिया।

अब मैंने उसकी चोली का हुक खोल दिया तो मुझे अपनी गोदी में उसके उन्नत और भारी वक्ष गिरते हुए महसूस हुए और उसने एक गहरी सांस ली और बोली- आई लव यू अरुण !

मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

मैंने कहा- सलोनी, मेरी जान ! मुझे भी बहुत मजा आ रहा है।

और अब मैं अपने दोनों हाथों से उसकी नंगी कमर को सहलाने लगा।

उसने लो वेस्ट जींस पहन रखी थी तो ऐसे झुकने से वो उसके कूल्हों से नीचे की तरफ तक खिसक गई थी जिससे उसके चूतड़ों की गोलाइयों को अलग करने वाली घाटी काफी नीचे तक दिख रही थी। अब मैंने उसके गर्दन के पीछे से उसके चूतड़ तक के नग्न बदन को धीरे धीरे खुजलाना शुरू कर दिया।

जो लड़कियाँ कहानी पढ़ रही हैं, वो इस बात को महसूस भी कर रही होंगी कि सलोनी को इस समय कितना ज्यादा मजा आ रहा था क्योंकि उसने मुझे कस के पकड़ लिया और खुद ही बोलने लगी- अब यहाँ कुचरो, अब वहाँ कुचरो !

और वैसे मुझ खुद नारी शरीर के नग्न बदन में कहाँ क्या करना है, कैसे करना है, ये सब पता था। मेरे लिए हमेशा से 'चुदाई से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण नारी के नग्न शरीर पर की जाने वाली कामक्रीड़ा या काम क्रिया' रही है। मुझे खुद को इसमें चुदाई से कहीं ज्यादा उत्तेजना महसूस होती है और आनन्द आता है।

मेरे इस तरह से उसके समूचे पिछवाड़े को सहलाने से खुजलाने से उसका तो मन ही नहीं भर रहा था पर चूँकि हम दोनों के पास ही समय की थोड़ी कमी थी, इसलिए मैंने उसे उठा कर सीधा किया और-

“बाप रे !!!!!”

दोस्तो, उसके चेहरे की तो रंगत ही बदल गई थी, उसका चेहरा और उसकी आँखें

वासनामय हो गई थी, चेहरे पर बेतरतीब बिखरे हुए उसके बाल और ज्यादा कामुकता बढ़ा रहे थे।

वो अब निहायत ही सेक्सी लग रही थी।

उसकी ब्रा का हुक तो मैं पहले ही खोल चुका था तो उसके सीधा होते ही वो मेरी गोदी में ही गिर गई. अब मैंने उसकी बाहों से ब्रा को निकालते हुए हुए उसे पलंग पर लेट जाने दिया।

उसकी यह दशा देख कर मेरे लंड में फिर हलचल शुरू हो गई थी पर मुझे उस पर काबू पाते हुए आज सलोनी को भरपूर 'कामसुख' देना था जिसे वो जिन्दगी भर न भूल सके !

इसलिए अब मैंने उसके पैर सीधे किये, उसके चेहरे से बाल हटाये और सर के ऊपर कर दिए इस दौरान मैं उसे लगातार चूमता भी जा रहा था। फिर मैंने उसके दोनों हाथ भी ऊपर करके आपस में क्रॉस करके रखने को कहा।

और सही में दोस्तो, सचमुच उसने अपना पूरा बदन और अपने आप को मेरे हवाले कर दिया था। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

और यही सबसे अच्छा भी होता है।

सिर्फ टाईट जींस में और उपर से पूरी नंगी वो कयामत लग रही थी।

मैंने थोड़ी देर उसके पेट और नाभि को सहलाया और चूमा, फिर आहिस्ता से उसकी जींस का बटन और फिर जिप खोली। फिर अपने दोनों हाथ उसके पेट से सहलाते हुए सरकाते हुए उसकी कमर तक ले गया और अपने हाथ बगल से उसकी जींस में फंसाए और उसे अपने कूल्हे ऊँचे करने को कहा।

उसने ऐसा ही किया तो मैंने उसकी जींस और साथ ही साथ उसकी चड्डी उसकी टाँगों से, उसके जिस्म से पूरी तरह से सरका कर अलग कर दी अब वो एकदम मादरजाद नगनावस्था में मेरे सामने पसरी हुई थी। उसे इस हाल में देख के मेरा तो मुँह ही सूख गया,

उसका बदन एकदम चिकना था, शायद वो सभी जगह वैक्सिंग कराती होगी क्योंकि उसके पास पैसों की कोई कमी नहीं थी और वो बहुत ही फ़ैशनेबल मॉडर्न गर्ल थी। बस योनि स्थल पर काले और छितराए हुए से हल्के हल्के बाल थे। उसकी चूत वाला हिस्सा उभरा हुआ भी था, उसका निर्वस्त्र बदन का आकार बहुत ही नपातुला था, पतली गर्दन, उभरे हुए वक्ष, गहरे भूरे रंग के नुकीले चुचूक, जिनका घेरा भी कम ही था, उसके बाद सपाट पेट, गहरी नाभि, फिर चौड़े कूल्हे यानि चूतड़, कसी हुई मांसल चिकनी जांघें, पिण्डलियाँ और पतले छोटे पैर !

अब मुझ से रहा नहीं जा रहा था, मैं उसकी बगल में लेट गया, मैंने अपना एक हाथ उसकी कमर के नीचे से डाल कर उसके दूसरी तरफ के स्तन को दबाने और सहलाने लगा और उसके चेहरे को ऊपर उठा लिया।

उसकी आँखें नशीली हो गई थी और आँखों में लाल लाल डोरे तैरने लगे थे। वो कंपकंपाती सी आवाज़ में बोली- अब तुम भी नंगे हो जाओ ना !

मैंने हँसते हुए कहा- नहीं जानू, अभी नहीं ! तुम आगे आगे देखती जाओ, मैं तुम्हें आज फॉरप्ले का एक नया सुख देने वाला हूँ। इसमें तुम पूरी नंगी और मैं पूरे कपड़ों में और अब मैं तुम्हारे चिकने, कोमल और नाज़ुक नंगे बदन पर अपनी खुरदुरी और रफ जींस और टी शर्ट फिराऊँगा, उस पर रगड़ करूँगा।

और यह कहते हुए मैंने अपना जींस वाला पैर उसकी चूत पर घिसना शुरू कर दिया और अपनी टी शर्ट को उसके वक्ष पर !

वो उत्तेजना के मारे पागल हो गई और पैर पटकने लगी ।

मैंने महसूस किया कि उसकी चूत ने पानी छोड़ दिया है क्योंकि मेरी जींस उस जगह से गीली हो गई थी ।

वो चिल्लाने लग गई- प्लीज़ मुझे चोदो ! अभी मुझे चोदो !

और मेरी टीशर्ट का गिरेबान पकड़ लिया जबकि अभी मैंने फॉरप्ले अच्छे से शुरू भी नहीं किया था ।

मैंने उसे समझाने की कोशिश भी की कि अभी मुझे बहुत कुछ करना है पर वो बोली- वो सब सेकण्ड राउंड में करना, अभी तो मैं मरी जा रही हूँ ।

मैंने सोचा कि हाँ यह बात भी सही है, अभी तो मेरा लंड भी बेकाबू हो रहा था, दूसरे दौर में वो भी थोड़ा काबू में रहेगा ।

इसलिए मैं उठा और अपने सारे कपड़े उतार कर नंगा हो गया । मेरा लंड सच में आज कुछ ज्यादा ही भीमकाय हो रहा था, वो उसे छूना चाहती थी पर मैंने रोक दिया कि कहीं डिस्चार्ज न हो जाए और कहा- सेकण्ड राउंड में छूना भी और चूसना भी !

फिर कंडोम लगाया और अपने साथ लाई तेल की शीशी से उस पर नारियल का तेल डाल कर चिकना किया और उसकी चूत के ऊपरी हिस्से पर रख कर दबाते हुए उसकी गीली चूत में धंसा दिया ।

उसके मुख से जबरदस्त चीख निकली, मैंने उसके मुँह पर हाथ रख दिया कि आवाज बाहर न जाए ! और आहिस्ता आहिस्ता उसके चूचों पर दवाब बनाते हुए उसके साथ सम्भोग शुरू किया । वो भी अपने चूतड़ उछाल उछाल कर सहयोग कर रही थी ।

तो दोस्तो, इसके आगे की बातें आप अन्तर्वासना की अन्य कहानियों में पढ़ते ही रहते हैं।

असली कामक्रीड़ा या कहेँ फॉरप्ले हमारे दूसरे दौर में हुआ जिसे विस्तार से मैं फिर कभी लिखूँगा। अभी तो इस उत्तेजक अनुभव को यहीं समाप्त कर रहा हूँ।

आप सभी पाठक-पाठिकाओं से मेरा अनुरोध है कि मुझे मेल करके अपनी राय जरूर जरूर बताएँ !

आपका अरुण

Other stories you may be interested in

बॉयफ्रेंड के बॉस ने मुझे चोद डाला- 1

ऑफिस सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि मेरे बॉयफ्रेंड को उसका बॉस प्रमोशन नहीं दे रहा था. बॉस पूरा चूतखोर था तो मैंने अपने यार को चूत की ताकत से प्रमोशन दिलाने की सोची. यही कहानी सुनें. अंतर्वासना के सभी पाठकों [...]

[Full Story >>>](#)

मौसेरी बहन की नाजुक चूत को लंड का मजा दिया- 1

सेक्सी देसी स्टोरी में पढ़ें कि गांव में मैं पैसे देकर देसी लड़की की चूत मारा करता था. अब मेरा मन एक नयी चूत चोदने का था. तो मैंने क्या सोचा? दोस्तो, मैं अन्तर्वासना का बहुत पुराना पाठक हूँ. मैंने [...]

[Full Story >>>](#)

मेरा सच्चा प्यार भाभी के साथ

मैं कोटा का रहने वाला हूँ. कहानी 4 साल पहले की है. हमारे पड़ोस में एक भाभी रहा करती थीं, वे मेरे समाज की नहीं थीं. उसका पति कोटा में नौकरी करता था. उसकी सास को मैं मौसी कहके बुलाता [...]

[Full Story >>>](#)

वासना का मस्त खेल-7

अब तक की इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा था कि नेहा अब खुलती जा रही थी उत्तेजना के वश उसने अब शर्म हया छोड़ दी और खुद ही अपनी चुत को मेरे मुँह पर घिसना शुरू कर दिया [...]

[Full Story >>>](#)

बड़े बंगले वाली रजनी जी की कामुकता-2

बड़े बंगले वाली रजनी जी की कामुकता-1 कामुकता से भरी रजनी आंटी ने मेरा लंड चूस कर मुझे पूरा मजा दिया और मैं उनके मुँह में झड़ गया. इसके बाद मुझे नींद आ गई, मैं वहीं सो गया. करीब आधा-पौन [...]

[Full Story >>>](#)

